दैनिक
राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761

वर्ष-3, अंक-39
इन्दौर, बुधवार
08 जनवरी 2025
पृष्ठ 8, मूल्य 3 रु.

चाणक्य नीति

'जो धैर्यवान नहीं है उसका न वर्तमान और न ही भविष्य'
मुझे वह दौलत नहीं चाहिए जिसके लिए कठोर यातना सहनी पड़े, या सदाचार करना पड़े, या अपने शत्रु की चापलूसी करनी पड़े।

-चाणक्य

प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

सामूहिक विवाह कार्यक्रमों को दें रचनात्मक स्वरूप - मुख्यमंत्री

प्रदेश में हुए 675 कल्याणी बहनों के विवाह

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सामूहिक विवाह कार्यक्रमों को रचनात्मक स्वरूप प्रदान किया जाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में सामूहिक विवाह कार्यक्रमों के लिए शासन की ओर से मिलने वाले आर्थिक लाभ को सार्थक बनाने का प्रयास करें। ऐसे आयोजनों में समाज के संपन्न और सक्षम लोगों का सहयोग प्राप्त किया जाए। जनप्रतिनिधियों की भागीदारी के साथ ही आयोजन में कुरीतियों के विरुद्ध आवश्यक संदेश भी दिए जाएं। खर्चीले विवाह नहीं होना चाहिए। सामाजिक कुरीतियों को खत्म करते हुए ऐसे कार्यक्रमों को अधिक उपयोगी और रचनात्मक स्वरूप प्रदान किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को समत्व भवन, मुख्यमंत्री निवास में सामाजिक न्याय और दिव्यांगजन सशक्तिकरण योजनाओं की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही समाज सेवा के क्षेत्र में अशासकीय संगठनों की सहभागिता और दिव्यांगजन योजना कल्याण के कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की समीक्षा की। बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कुछ नगरों में निजी संस्थाएं दिव्यांग सशक्तिकरण के क्षेत्र में अच्छा कार्य कर रही हैं। इससे अन्य नगरों के सामाजिक संस्थानों को भी प्रेरणा मिलती है। उदाहरण के लिए उज्जैन में टॉवर चौराहे के नजदीक दिव्यांगजन को फिजियोथेरेपी का लाभ दिलवाने के लिए डॉ. सारस्वत द्वारा सहयोग किया जा रहा है। इसी तरह नेत्रहीन लोगों एवं वरिष्ठजन को विशेष चश्मा प्रदान करने का कार्य भी विभिन्न नगरों में किया जा रहा है। इस चश्मे के निर्माण में आधुनिक तकनीक का उपयोग किया गया है। बुजुर्गों को भी चश्मा बहुत कम राशि में उपलब्ध करवाया जा सकता है। इस कार्य में सामाजिक संगठनों का सहयोग लिया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में विभिन्न पेंशन योजनाओं और सामाजिक कल्याण की योजनाओं के अच्छे क्रियान्वयन के लिए निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करने के लिए आवश्यक प्रयास हों। कल्याणी अर्थात विधवा स्त्रियों के विवाह के लिए शासन द्वारा दो लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि का प्रावधान है। इस योजना का अधिक प्रचार होना चाहिए जिससे जरूरतमंद कल्याणी इसका लाभ ले सकें। सामाजिक दृष्टि से यह पुण्य कार्य है। बैठक में बताया गया कि गत वित्त वर्ष में 13 करोड़ से अधिक राशि इस मद में व्यय की गई है। प्रदेश में इस वर्ष 675 कल्याणी विवाह संपन्न हुए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिव्यांगों को एक लाख रुपए कीमत की विशेष साइकिल जो घर में व्हीलचेयर के रूप में कार्य करती है, इसका अधिक से अधिक पात्र लोगों को दिलवाने के निर्देश दिए। इसी तरह जयपुर पैर की उपलब्धता और मध्यप्रदेश में दिव्यांगजन को इसका लाभ दिलवाने के लिए जन जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। बैठक में विवाह कार्यक्रम कम खर्च में करने और व्यक्तिगत स्तर पर भी सादगी पूर्ण विवाहों को प्रोत्साहन देने, मृत्यु भोज पर अंकुश और नशे के विरुद्ध अभियान चलाने के संबंध में भी चर्चा हुई। बताया गया कि विभिन्न अस्पतालों में दिव्यांग लोगों के लिए आवश्यक उपचार की व्यवस्थाओं को भी सुनिश्चित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन में दिव्यांगजन के लिए श्री सुधीर गोयनका द्वारा लगभग 300 नागरिकों की सहायता के लिए संचालित केंद्र का उदाहरण भी दिया गया।

चंडीगढ़ में प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज

बंदी सिखों की रिहाई की मांग; जेल में बंद अमृतपाल के माता-पिता हाउस अरेस्ट

चंडीगढ़/अमृतसर (एजेंसी)।

बंदी सिखों की रिहाई की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे लोगों ने मंगलवार को चंडीगढ़ कूच की कोशिश की। कौमी इंसाफ मोर्चे के 2 साल पूरे होने पर मोहाली में कार्यक्रम रखा गया था। इसी दौरान कुछ प्रदर्शनकारी पुलिस को चकमा देकर चंडीगढ़ में घुस गए।

चंडीगढ़ की एसएसपी कंवरदीप कौर और अन्य अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को सेक्टर 43 में रोक लिया। पुलिस ने उन पर लाठीचार्ज किया, आंसू गैस के गोले दागे और वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। 4 बसों में भरकर प्रदर्शनकारियों को थाने ले जाया गया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने वापस लौटने का ऐलान किया। प्रदर्शनकारी दोबारा कूच न करें, इसलिए पुलिस ने चंडीगढ़-मोहाली बॉर्डर पर 5 लेयर बैरिकेडिंग की है। साथ ही पत्थरों से भरे टिप्पर भी खड़े किए गए हैं।

मोर्चे के नेता बाबा शेर सिंह ने कहा- 25 जनवरी को मोहाली में महापंचायत होगी, जिसमें बंदी सिखों की रिहाई का मुद्दा उठाया जाएगा। महापंचायत में देशभर से बड़े नेता पहुंचेंगे। उधर, खडूर साहिब सीट से सांसद अमृतपाल सिंह के माता-पिता को हाउस अरेस्ट किया गया है। उनके अलावा फरीदकोट से सांसद सरबजीत सिंह खालसा, संगरूर से पूर्व सांसद सिमरनजीत सिंह मान को उनके घरों में नजरबंद किया गया है।

तीनों कौमी इंसाफ मोर्चे के धरने में शामिल होने वाले थे। कौमी इंसाफ मोर्चा का दूसरा साल है, वहां पर बहुत बड़ा समागम हो रहा है। हमें उसमें शामिल होना था, लेकिन कल रात से ही पूरे गांव में पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई। गांव की घेराबंदी की जा रही है, गांव में भी आतंक का माहौल बनाया जा रहा है। लोकतंत्र को कमजोर किया जा रहा है।

स्मार्ट सिटी की अनस्मार्ट प्लानिंग, स्मार्ट लूट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट स्मार्ट सिटी का था। इसके लिए केंद्र सरकार द्वारा प्रत्येक सिटी को 500 करोड रुपए राज्य सरकार द्वारा 500 करोड रुपए स्मार्ट सिटी के लिए आवंटित किए गए थे। केंद्र एवं राज्य सरकारों ने निर्धारित समय सीमा में स्मार्ट सिटी को अरबों रूपयों का यह धन मुहैया कराया। स्मार्ट सिटी की प्लानिंग में जनप्रतिनिधियों को दूर रखा गया था। स्मार्ट सिटी की कल्पना इस तरह से की गई थी, अधिकारी बेहतर प्लानिंग करें, समय सीमा पर स्मार्ट सिटी का मॉडल पेश करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह प्रोजेक्ट अधिकारियों के हवाले कर स्मार्ट सिटी की परिकल्पना की थी। वह परिकल्पना कहीं पर भी साकार नहीं हुई। स्मार्ट सिटी के लिए विशेष अधिकार दिए गए। इसे नगरीय निकायों से बाहर रखा गया। जनप्रतिनिधियों का भी कोई प्रत्यक्ष हस्तक्षेप नहीं था। स्मार्ट सिटी की प्लानिंग में संभागीय कमिश्नर, कलेक्टर तथा निगम कमिश्नर को अधिकार दिये गए थे। स्मार्ट सिटी की सफलता और असफलता के लिये यही तीनों अधिकारी जिम्मेदार है। इसके बाद भी किसी भी स्मार्ट सिटी में ऐसा कोई काम नहीं हुआ। जिसे स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित बताया जा सके। देश में बनी लगभग स्मार्ट सिटी में भ्रष्टाचार और मनमानी की गंगा बही। तीनों अधिकारियों ने कमाई की। जनप्रतिनिधि देखते ही रह गये। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल बनने 1957 के बाद नये भोपाल को विकसित किया गया था। अधिकारियों ने नए भोपाल को ही स्मार्ट सिटी बनाने का बीड़ा उठाया। यहां पर अधिकांश जमीन सरकारी थी। न्यू मार्केट से लगी होने के कारण जमीन बेशकीमती थी। स्मार्ट सिटी के लिए 500 करोड रुपए केंद्र सरकार से 500 करोड़ राज्य सरकार से और 400 करोड रुपए स्मार्ट सिटी की जमीन बेचकर जुटाए गए। इसमें से 1351 करोड रुपए अधिकारियों ने खर्च कर दिए। इसमें से 663 करोड रुपए उन कामों में खर्च किए गए, जो स्मार्ट सिटी के अधिकार क्षेत्र के नहीं थे। कई काम नगर निगम भोपाल और भोपाल डेवलपमेंट अथॉरिटी के प्रोजेक्ट को स्मार्ट सिटी के बजट से पूरा करने के लिए खर्चाकर दिए।

तिनके का सहारा

कहानी

ए लल्ला,तू जे फोर्म भर दे मेरा मैंने पैसे निकालने हैं खाते से। एक मैली कुचैली सी साड़ी पहने उलझे हुए बाल एक गरीब औरत बैंक में पास में खड़े सूट बूट पहने एक लड़के से बोली। किसी और से भरवा लो मेरे पास टाइम नहीं हैं ? वो लड़का उस औरत को मना कर बैंक से बाहर आ गया वो औरत आँखों में आंसू लिए उस कागज को हाथ में पकड़े इधर उधर कोई आदमी या औरत खोजने लगी जो उस का फॉर्म भर दें। वो लड़का जैसे ही बाहर आया अपनी चार पहिया गाड़ी का दरवाजा खोल बैठने ही वाला था कि तभी उसकी निगाह बैंक के बाहर बैठे एक गरीब आदमी पर गयी जो दीवार का सहारा लिए एक यहीं कोई पांच साल के बच्चे को लिए बैठा था उसके पास में एक डंडा रखा था। उसकी आँखों से आंसू बह रहे थे पानी की बोतल से उस बच्चे के मुंह में वो पानी डाल रहा था वो लड़का पता नहीं क्या सोचकर उस आदमी के पास आया और बोला,आप रो क्यूँ रहे हैं और बैंक के बाहर क्यूँ बैठे हैं। बेटा,मेरी पत्नी अन्दर गयी हैं पैसे निकालने बहुत बखत हो गया पर अभी तक नहीं आयी रोते हुए वो आदमी आंसू पोंछने लगा ये बच्चा कौन है ? आपका हैं ? हां बेटा इसे दिल की बिमारी हैं वो अंदर बैठ गया उसी समय ट्विटर,फेसबुक पर शेयर कर दी यह लिखकर ही जितना हो सके आप लोग मदद कीजिये ये इस औरत का बैंक एकाउंट नंबर हैं इस पर भेज दिजिये ये बच्चा आप लोगो की मदद से बच सकता हैं। आज वो बच्चा बिल्कुल ठीक हो गया हैं वो औरत ये भी नहीं जानती कि उसके खाते में इतने पैसे आयें कहां से। उस लड़के ने उस औरत को तिनके का सहारा दिया पर उस सहारे ने उसके लाल को बचा लिया।

प्रेमनारायण वेद, इंदौर

कहानी

सुनो न...

रेखा और अर्जुन एक ही कार्यालय में काम करते थे। दोनों की उम्र तीस के आसपास थी। दोनों के पास अलग-अलग विभाग थे, लेकिन उनकी टेबलें पास-पास थीं। रेखा शांत स्वभाव की थी। वह अपने काम में डूबी रहती, पर अर्जुन की उपस्थिति उसे हमेशा महसूस होती। अर्जुन भी संजीदा और मेहनती था। रेखा अक्सर अर्जुन की ओर देखती। उसकी आँखों में एक सवाल और मन में अनकहा प्रेम छिपा रहता। जब भी अर्जुन उससे कुछ पूछता, वह थोड़ा झेंप जाती। उसकी यह झिझक उसे और खास बना देती। एक दिन अर्जुन कुछ फाइलें लेकर रेखा की ओर आया। उसने कहा, रेखा, क्या ये फाइलें देख सकती हो? हालांकि यह फाइलें तुम्हारे विभाग की नहीं हैं, परन्तु मेरी कुछ मदद हो जाएगी। आज वर्कलोड कुछ ज्यादा ही है। रेखा ने हां में सिर हिलाया। अर्जुन उसकी गंभीरता से प्रभावित था। दिन गुजरते गए। दोनों के बीच बातों का सिलसिला बढ़ा, पर सिर्फ काम तक सीमित। रेखा के मन में प्यार गहराता गया। वह अपने मन की बात कहना चाहती थी, पर शब्दों में बदल नहीं पाती थी। मन ही मन वह अर्जुन से कहती, सुनो न... एक शाम, दफ्तर लगभग खाली हो चुका था। अर्जुन अपनी सीट पर बैठा था। रेखा ने हिम्मत जुटाई और अपनी कुर्सी से उठकर उसकी टेबल तक पहुंची। अर्जुन ने उसकी ओर देखा। उसकी आँखों में कुछ सवाल थे। रेखा चाहकर भी कुछ नहीं कह पाई। बस हल्की सी मुस्कान के साथ वापस लौट आई।

अर्जुन बिंदास व्यक्तित्व का धनी था। हमेशा मुस्कराते हुए सबसे बोलना। सभी से हिलमिलकर रहना उसकी खूबियों में शामिल था। काम के प्रेशर को कम करने के लिए अक्सर वह जोक्स भी सुना देता था। कभी कभी तो अपनी शायरी या कविताओं के माध्यम से सभी का मूड मस्त कर देता था। अर्जुन को लगता था कि दुनियां दुःख और ग़मो से भरी पड़ी है। इसलिए वह सभी को हंसाने में आनंद का अनुभव करता था। रेखा अर्जुन के इस बिंदास और मस्तमौला पन से प्रभावित थी। रेखा को पता ही नहीं चला कि कब वो अर्जुन को अपना दिल दे बैठी। अगले दिन अर्जुन को लगा कि रेखा उससे कुछ कहना चाहती थी। वह उसके पास गया और बोला, रेखा, तुमने कल कुछ कहा था? रेखा सकपका गई। उसने जल्दी से कहा, नहीं तो... और अपने काम में लग गई। अर्जुन को उसकी हड़बड़ाहट ने कुछ सोचने पर मजबूर कर दिया। कुछ हफ्ते बीत गए। एक दिन अर्जुन ने रेखा को कॉफी ब्रेक के दौरान अकेले बैठे देखा। वह उसके पास गया और कहा, रेखा, मैं कुछ पूछना चाहता हूं। क्या तुम्हें मुझसे कुछ कहना है? रेखा ने नज़रें झुका लीं। उसने धीरे से कहा, सुनो न... अर्जुन मुस्कुरा उठा। उसने कहा, मैं सुन रहा हूं। रेखा ने बड़ी हिम्मत करके कहा, मुझे लगता है, मैं तुम्हें पसंद करती हूं। अर्जुन कुछ देर चुप रहा, फिर मुस्कुराकर बोला, रेखा, तुम्हारी बातें और तुम्हारा झिझकना मुझे भी खास लगता है। शायद मैं भी तुमसे कुछ कहना चाहता था।दोनों की मुस्कान एक नई शुरुआत का संकेत थी। धीरे-धीरे उनका प्यार परवान चढ़ा, और दोनों वैवाहिक गठबंधन में बंध गए। दफ्तर में उनकी जोड़ी सभी के लिए मिसाल बन गई। वे दोनों एक-दूसरे के साथ न केवल जीवन के हर पल को खूबसूरत बना रहे थे, बल्कि अपने कर्तव्य स्थल पर भी अपने प्रेम को सम्मान और मर्यादा के साथ निभा रहे थे। सुनो न, का यह अधूरा सपना अब उनका पूरा जीवन बन चुका था। रेखा और अर्जुन का जीवन खुशियों से भरा हुआ था। दोनों एक-दूसरे के साथ हर पल को संजीदगी से जी रहे थे। अचानक रेखा ने अर्जुन से कहा, सुनो न, मुझे कुछ दिनों से घबराहट सी हो रही है। कभी कभी आंखों के सामने काला सा धुंधला सा दिखाई देने लगता है..ऐसा लगता है जैसे चक्कर आ रहे हो अर्जुन ने हंसते हुए कहा, अरे,पगली ! यह तो खुशी की बात हो सकती है। चलो, डॉक्टर से मिलते हैं।

अर्जुन रेखा को लेकर हॉस्पिटल गया। डॉक्टर ने चेकअप किया और कहा, रिपोर्ट आने में थोड़ा समय लगेगा। दोनों बाहर लॉबी में बैठे थे। रेखा हल्की मुस्कान के साथ बोली, सुनो न, क्या हम सच में माता-पिता बनने वाले हैं? अर्जुन ने उसका हाथ थाम लिया। उसकी आँखों में चमक थी।

कुछ समय बाद डॉक्टर ने अर्जुन को अकेले बुलाया। उसने गंभीर आवाज़ में कहा, मिस्टर अर्जुन, मुझे बहुत अफसोस है, पर रेखा को ब्लड कैंसर है। अर्जुन के पैरों तले जमीन खिसक गई। वह कुछ देर तक स्तब्ध खड़ा रहा।

डॉक्टर ने उसे हिम्मत दी और बताया, इलाज संभव है, पर समय पर शुरू करना होगा। अर्जुन खुद को संभालते हुए बाहर आया। रेखा ने पूछा, सुनो न, सब ठीक है न? अर्जुन ने मुस्कुराते हुए कहा, हां, सब ठीक है। डॉक्टर ने कहा कि तुम्हें थोड़ा आराम करना होगा। और हां, समय-समय पर चेकअप भी कराना होगा।

अर्जुन ने खुद को मजबूत दिखाया। लेकिन रात को जब रेखा सो जाती, वह बालकनी में जाकर चुपचाप रोता। उसकी आंखों से बहते आंसू और कानों में गूंजते धीमे सुकून भरे संगीत उसे कुछ पल राहत देते। दिन में वह रेखा के साथ हंसता, बातें करता। कभी-कभी दोनों पार्क में टहलने जाते। चारों ओर खिलखिलाते बच्चे, पक्षियों का मधुर संगीत और हवा की सरसराहट, एक पल के लिए सब कुछ सामान्य लगने लगता। लेकिन अर्जुन का मन अंदर ही अंदर टूट रहा था। एक दिन अर्जुन ने कहा, सुनो न, चलो एग्स चलते हैं। डॉक्टर से सलाह भी हो जाएगी और थोड़ा घूम भी आएंगे। रेखा उत्साहित हो गई। उसने कहा, हां, यह अच्छा रहेगा। दिल्ली की यात्रा शुरू हुई। ट्रेन की खिड़की से बाहर झांकती रेखा और अर्जुन की धीमी बातें वातावरण को सुकून भरा बना रहीं थीं। कभी ट्रेन का शोर कोलाहल करता तो कभी रेखा का खिलखिलाना उस कोलाहल को शांत कर देता।

व्यापार....व्यापार....व्यापार....व्यापार....व्यापार....व्यापार....व्यापार....व्यापार....व्यापार....व्यापार....

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

उर्जा शेयरों में रही तेजी

मुम्बई । भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन एशियाई सहित दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से घरेलू शेयर ऊपर आया है। वहीं गत दिवस बाजार भारी गिरावट पर बंद हुआ था। आज उर्जा शेयरों में तेजी से बाजार में उछाल आया। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी जैसे शेयरों में बढ़त से बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स आज 234.12 अंक करीब 0.30 फीसदी की बढ़त लेकर 78,199.11 अंक

पर बंद हुआ। इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी अंत में 91.85 अंक तकरीबन 0.39 फीसदी की बढ़त लेकर 23,707.90 के स्तर पर बंद हुआ। आज स्मॉल-कैप शेयरों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। निफ्टी 1.35 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। वहीं निफ्टी मिडकैप 0.89 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। आज सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से टाटा मोटर्स का शेयर सबसे ज्यादा ऊपर आया। टाइटन , अदाणी पोर्ट्स, इंडसइंड बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एशियन पेंट्स, पावर ग्रिड और टाटा मोटर्स के शेयर भी बढ़त पर बंद हुए। दूसरी ओर जोमैटो का शेयर सबसे ज्यादा नीचे आया। टीसीएस, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी, टाटा मोटर्स और बजाज फाइनेंस के शेयरों में भी गिरावट रही। आज अदाणी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में इंट्रादे ट्रेड में उछाल आया। बाजार जानकारों के अनुसार उर्जा शेयरों से बाजार उछला। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा मोटर्स, आईसीआईसीआई बैंक जैसे शेयरों में तेजी ने भी बाजार को सहारा मिला।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया छह पैसे की गिरावट के साथ ही 85.74 पर बंद हुआ। डॉलर के मजबूत रुख और विदेशी पूंजी की सतत निकासी के बीच ही रुपया शुरुआती कारोबार में सात पैसे की गिरावट के साथ 85.75 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार घरेलू शेयर बाजारों में कुछ सुधार और विदेशों में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से रुपये की गिरावट पर कुछ रोक लगी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.77 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में 85.80 प्रति डॉलर पर खिसक गया और कुछ ही देर में वापसी करता हुआ 85.75 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले सात पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.68 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 फीसदी की गिरावट के साथ 108.09 पर रहा।

अच्छा हुआ दुनिया की रविश पर न चले/वरना हम भी मौसम की तरह बदलते रहते...

चांदी के साल में हीरे का जश्न...

इंदौर (डॉ जावेद अहमद खान) राहत इंदौरी का एक दौर रहा जब उनके नाम से महफिलें रोशन होती थी। ख़ास तौर अदबी कुनबे ने सालों तक राहत इंदौरी के साथ बड़े हॉल शो कामयाबी से अंजाम दिए जो इंदौर अदब को नाज़ करने को काफ़ी है जश्ने राहत ने तो एक तारीख़ ही रकम कर दी थी।

सतलज से बातचीत में कलंदर के रचयिता हिदायतुल्लाह खान ने कहा भी हमारे वक़्त अदब,शायरी,पढ़ना पढ़ाना दूजा था अव्वल आख़िर सिर्फ़ राहत इंदौरी थे। प्रो.अजीज़ इरफान ने राहत को डॉयस,रील्स और यूट्यूब छोड़ शैल्फ़ से दरयाफ़्त किया आगे दीपक रूहानी ने कहा राहत इंदौरी को समझने को शहर की तासीर समझने की ज़रूरत है।

हिमांशु वाजपेई की दास्तान गोई में उन्हीं से सुने किस्सों की माला फेरी जिनमें कुछ मनके रूहानी तो कुछ कलंदर के थे। वहीं आफताब कादरी और हमनवा ने डॉयस को सूफ़ी महफिल में बदल डाला।

सफदर शामी के पोस्टर की रुनुमाई संग अछूते संग्रह मैं जिंदा हूं...संग किताब ख़्वाब की खेती... भी लहलहायीं । राहत की बात का यह इंदौरी मैराथन दस घंटे से भी ज्यादा लंबा चला ।

बात शायर की मुशायरे की जिसका इंतजार थोड़ा लंबा रहा जो शुरू होते ही राहत की बात बना। अमूमन शहर के वक़्त ही मुशायरा शुरू हुआ जिसकी सदारत रामपुर से आये शायर ताहिर फ़राज़ ने की।

आदित्य ज़रख़ेज़ ने सारी मेहनत ख़ुद को पेश पेश रखने में लगायी इस मौके पर वह कुछ अच्छ भी पढ़ सकते थे। तजदीद साक़ी ने भी उनका सिग्नेचर निकली जो रक्स करती हुई इन्दान से ...दोहराया यही हाल दुबई के सैयद सरोश आसिफ़ का रहा उन्हें शहर इसी हाल में ऐसे ही सुन चुका है गली के चौकीदार ने हमको समझाया /नींद का कोई रब्त नहीं है रातों से... शायर अल्ताफ़ ज़िया की शायरी आलापकारी की नज़र हो गई अच्छ तरन्नुम ग़नीमत है लेकिन लंबी टेर से कानों तक की सांसें टूट जाती हैं।उनका ध्यान मुशायरे से ज़्यादा सामाइन के उठने बैठने टहलने पर था उन्होंने पढ़ा अजीब लोग हैं आईना भी है लाए हुए/और अपने चेहरे पे चेहरा भी है लगाए हुए...मेज़बान सतलज राहत ने इशारों-कनायों में बेहतरीन पढ़ने के अलावा मौक़ा ग़नीमत जान शुक्रिया भी अदा कर दिया उन्होंने पढ़ा तकते रहना आसमानों को/ एक नशा है क़फ़स में रहना भी/ लेते रहना मुनाफ़िक़त के मजे /ऐसे दो चार दस में रहना भी/देख लो हुज़ूर फूंक दिया,इस अंधेरे में नूर फूंक दिया/मैंने मिलने की इल्तिजा की थी ,आपने कोहे तूर फूंक दिया.. दिल्ली के शाहिद अंजुम ने पढ़ा जब तक हम मिट्टी के घर में रहते थे, गांव के सारे लोग असर में रहते थे /अब

इस्लामाबाद में भी महफूज़ नहीं, अच्छे खासे रामनगर में रहते थे...बुरहानपुर से आए तरन्नुम के शायर नईम अख़्तर खादमी ने देर के सबब तहतुल लफ्ज़ पढ़ना चाहते थे,लेकिन फ़रमाइश करने वालों ने पढ़वा ही लिया कभी गिरते तो कभी गिर के संभलते रहते/बैठे रहने से तो बेहतर था कि चलते रहते/ये तो अच्छ हुआ दुनिया की रविश पर न चले/वरना हम भी मौसम की तरह बदलते रहते...

इस जगह पढ़ना वाकई जोख़िम का काम था लेकिन कश्मीर से आए लियाक़त जाफरी ने डॉयस पर आकर पहले तो अपने रोमांटिक अंदाज़ से माहौल को हल्का किया फिर उन्होंने एक लंबी नज़्म मैं राहत हूँ जिसमें उन्होंने शायर के शुरुआती दौर से ले आख़िर तक को समो लिया जिसमें राहत इंदौरी के कई शेरों को रिसाइकल भी किया।हर कते के बाद उन संग सामाईन ने भी मैं राहत हूँ.. दोहराया।देवी अहिल्या बाई और इंदौर की नामी हस्तियों को याद करते हुए उन्होंने पढ़ा - खुदा जाने मेरे सर पर है किस दरवेश का साया/खुदा जाने में किस मख़्फ़ी कलंदर की करामत हूँ/

खूदा जाने मेरी मां की दुआओं का असर है यह/या अपनेबाप की बख़्शी हुई इबादत हूं ...इस नज़्म को भरपूर दाद और वाह-वाह मिली कई लोगों ने खड़े होकर भी तालियां बजायी। लियाकत इसलिए भी कामयाब रहे कि ज्यादातर शायरों ने अपने पुराने कलाम सुनाए थे। जाफ़री की नज़्म ठंडे मुशायरे में कुनकुनी गर्माहट भर गयी।

वसीम बरेलवी बीमारी के सबब शामिल न हो पाए, हां उनके क्लिप जरूर आई लेकिन मंज़र भोपाली बीमारी के बावजूद आए उन्होंने कहा कि इंदौर वालों आपको सलाम आपने शायर को शहर की पहचान बना दिया ,हुकूमत को चाहिए उन के नाम पर शहर में कुछ हो या हम सब मिलकर उनके नाम कुछ यादगार इमारत,स्कूल ,कॉलेज या ऑडिटोरियम बनाएं जो मुझसे बन पड़ेगा में भी करूंगा उन्होंने पढ़ा किधर को जाएंगें अहले सफ़र नही मालूम, वो बदहवासी है अपना ही घर नहीं मालूम/ मेरे खुदा मुझे तौफ़ीक़ दे मोहब्बत की, दिलों को जीतने वाला हुनर नहीं मालूम... निस्वानि तरन्नुमनुम लिए डॉयस पर कानपुर की शबाना अदीब आयीं, उन्होंने सुनाया - रंजिशों में कब इंसां सोगवार रहता है/ दिल मोहब्बतों में ही बेकरार रहता है/ लौट कर नहीं आता क़ब्र से कोई/ लेकिन प्यार करने वालों को इंतजार रहता है... उन्होंने फरमाइशों पर बहुत बार सुना गया कलाम सुनाया।

इक़बाल अशर ने वही सुना-सुनाया पढ़ा -उभरा हर एक बार नया फूल बन के मैं/मिट्टी में जितनी बार मिलाया गया मुझे..

शायरी के साथ-साथ बच्चियों की तालीम के लिए भी काम करने वाले रामपुर से आए नवाज़ नवाज देवबंदी ने लियाक़त जाफ़री की नज़्म पढ़े जाने के बाद अपने अशआर को मुल्तवी करते सुनाया- एक आंखों के पास है, एक आंखों से दूर /बेटा हीरा होता है और बेटी कोहिनूर.. और कहा जिनको सब है ! कह रहे थे उसको था ! कहने लगे/ जिंदगी और मौत में बस फ़ासला इतना सा है... अपने फ़तह्न होने का सबूत देते साफ़गोई से उन्होंने बार-बार जल्दी पढ़ने को टीवी पर पांच मिनट में सौ अहम खबरें बताया जिसकी कोई अहमियत नही होती।

निज़ामत कर रहे हैं लखनऊ के शायर नदीम फ़ारूख़ वक़्त को बांधने की नाकाम कोशिश करते नज़र आए फाउंडेशन के फ़ैसल राहत जब जब पास आते सब समझ जाते लेकिन उनकी यादों में इंदौर की सामाईन दर्ज है कि अपने मेहबूब शायर से मंसूब महफ़िल को सुनने ये शहर अंधेरे में देर रात तक बैठा रहा था उन्होंने पढ़ा - मासूम से अवाम को पागल बना दिया,नफ़रत ने मेरे शहर को मक़तल बना दिया/जब भी बिछायी वक़्त ने शतरंज की बिसात, पैदल को शाह ,शाह को पैदल बना दिया।

एक चौकानें वाले तजुर्बे के तौर राहत इंदौरी की दुबई की क्लिप भी सुनवायी गयी हालांकि डॉयस पर खाली कुर्सी कुछ तो इस बात है कि चुगली कर रही थी,उन्होंने पढ़ा - मैं वो दरिया हूँ कि हर बूंद भंवर है जिसकी/तुमने अच्छा ही किया मुझसे किनारा करके ..सदर ताहिर फ़राज़ सुनाने आये अपने रिश्ते, अपने बीच मंच पर अदबी खींच-तान के बावजूद घरेलू ताल्लूक़ में शिबली राहत को मोतोवज्जाह करते सबकी आंखें भिगो गए उन्होंने पढ़ा - छोड़ जाएगा ये पता कब था,इस हक़ीक़त का वाहमा कब था/उसकी सच्चाई उसके साथ गयी,शहर में दूसरा कब था...

मुशायरा वक़्त की क़ैदो बंद को नही समझता लेकिन हॉल का अपना निज़ाम होता है ,तक़रीबन दिन भर से चलते जश्न में शायरों को इसपर भी सोचना था कोई दादों तहसीन चाहता था तो कोई तालियां किसी ने वक़्त तमहीद और शेर की तबियत की नज़र किया।वो अपने बुज़ुर्ग शायर की नसीहत को भूल गए कभी कृष्ण बिहारी नूर ने कहा था - मैं तो ग़ज़ल सुना के अकेला खड़ा रहा / सब अपने-अपने चाहने वालों में खो गए।

भोपाल मैं अखिल भारती युवक युवक परिचय सम्मेलन में उठी थी मांग

माँ कर्मा देवी के नाम से जारी हुआ डाक टिकट

इन्दौर, (देवेंद्र साहू)। साहू समाज की मांग एवं केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास राज्य मंत्री तोखन साहू के प्रयासों की उपलब्धि के रूप में साहू समाज की आराध्य देवी माँ कर्मा के नाम से डाक टिकट जारी हुआ है।

प्रदेश मीडिया प्रभारी महिला मण्डल मिथलेश साहू ने बताया कि बीते 22 दिसंबर को भोपाल में मध्य प्रदेश तैलिक साहू सभा की ओर से आयोजित परिचय सम्मेलन में मध्य प्रदेश साहू समाज अध्यक्ष ताराचंद साहू के नेतृत्व में आयोजित सम्मेलन में संपूर्ण भारतवर्ष के प्रतिनिधि मौजूद रहे साहू समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयदत्त क्षीरसागर ने सभी सामाजिक बंधुओं की भावनाओं को देखते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू से साहू समाज की आराध्य देवी मां कर्मा देवी के नाम से डाक टिकट जारी करने की मांग की थी. जिसे प्राथमिकता देते हुए जल्द ही पूरा किया गया. माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सहमति से केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ चंद्रशेखर से मुलाकात कर अवगत कराते हुए डाक टिकट जारी करने की घोषणा करवाई राष्ट्रीय युवा कार्यवाहक अध्यक्ष हितेश साहू ने बताया कि मां कर्मा साहू समाज की आराध्य देवी है और उनके नाम से टिकट जारी होना एक सम्मान की बात है पूरे भारतवर्ष में खुशी की लहर है

मध्य प्रदेश तेलिक साहू सभा के पदाधिकारियों ने प्रधानमंत्री मोदी , केंद्रीय मंत्री तोकन साहू, डॉ चंद्रशेखर एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष का आभार व्यक्त कर धन्यवाद दिया आभार व्यक्त करने वाले प्रदेश अध्यक्ष ताराचंद साहू संरक्षक बटन लाल साहू कार्यवाहक अध्यक्ष ओम प्रकाश साहू ओम प्रकाश साहू इंदौर संरक्षक डॉक्टर हेमराज साहू मुख्य सलाहकार रमेश के साहू राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष श्रीमती आभा साहू, राष्ट्रीय युवा कार्यवाहक अध्यक्ष हितेश साहू प्रदेश महामंत्री रमेश साहू प्रदेश उपाध्यक्ष जीवनलाल साहू कोषाध्यक्ष विनोद साहू कार्यालय सचिव शिवप्रसाद साहू युवा अध्यक्ष कमलेश साहू वरिष्ठ उपाध्यक्ष शिवदयाल साहू ,जितेंद्र साहू, अनिल अकेला, काशीबाई साहू, इंदौर जिला अध्यक्ष राजेश साहू, रमेश साहू, मिश्रीलाल साहू, सहित सभी समाज ने आभार व्यक्त किया।

दूरस्थ गांवों में मिलने लगी अच्छी बिजली

ग्रिडों पर केपिसिटर बैंक लगाने से आया व्यापक बदलाव, न तो मोटरें जल रही, न हीं टूट रहा सिंचाई का पानी

इंदौर। जिले के सुपर कॉरिडोर के आसपास का क्षेत्र हो या बायपास से लगे खेत, दूधिया, पालिया, देपालपुर, गौतमपुरा, कड़ौदा हो या फिर महू के हासलपुर, मानपुर क्षेत्र के किसान सभी को सिंचाई के लिए गुणवत्ता के साथ बिजली मिल रही हैं। यह सब हुआ हैं शासन की रिवेम्प्ड डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर स्कीम(आरडीएसएस) के अंतर्गत लगे केपिसिटर बैंक लगने के बाद। 33/11 केवी के ग्रिडों पर सिंचाई सुविधा को और बेहतर बनाने, सही वोल्टेज के साथ हर खेत, कुएं, नलकूप तक बिजली प्रवाह करने के लिए केपिसिटर बैंक लगाए गए हैं। इससे इंदौर के ग्रामीण क्षेत्र के किसानों को अच्छी बिजली मिलने से पर्याप्त फसल मिलने की स्थिति बनी हैं।

मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के ग्रामीण वृत्त अधीक्षण यंत्री डॉ. डीएन शर्मा ने बताया कि क्षेत्र में 102 ग्रिडों में केपिसिटर बैंक लगाकर योजना का शत प्रतिशत क्रियान्वयन कर दिया गया हैं। कंपनी की प्रबंध निदेशक सुश्री रजनी सिंह के निर्देश एवं आरडीएसएस प्रभारी श्री एसएल करवाड़िया के मार्गदर्शन में टीम भेजकर समय पर अत्याधुनिक केपिसिटर बैंक की ग्रिडों पर स्थापना की गई, ताकि समय पर योजना लाभ किसानों मिल सके। अधीक्षण यंत्री डॉ. शर्मा ने बताया कि एक ओर जहां ग्रिडों पर केपिसिटर बैंक लगने से संबंधित फीडर के दूरस्थ किसानों को गुणवत्ता के साथ बिजली उनके खेत, नलकूप, कुएं तक मिल रही है। इससे जहां मोटर पंप उच्च क्षमता के साथ चलकर भरपूर पानी दे रहे हैं, वहीं गुणवत्ता के साथ बिजली अंतिम छोर तक मिलने से मोटर पंप खराब होने की नौबत नहीं आ रही है। वहीं वोल्टेज सही मिलने से कुल बिजली खपत संतुलित हो रही है। ऐसे में ग्रिडों पर अतिरिक्त बिजली खपत की नौबत नहीं आ रही है। अधीक्षण यंत्री ने बताया कि वोल्टेज सही नहीं मिलने पर रिएक्टिव पावर की स्थित बढ़ने से लोड खपत बढ जाती हैं, ऐसे में कंपनी की कुल बिजली खपत ज्यादा होने से वित्तीय नुकसान होने की स्थिति आने का अंदेशा होता था, केपिसिटर बैंकों की स्थापना के बाद यह खतरा दूर हो ग?ा हैं। अधीक्षण यंत्री ने बताया कि वृत्त अंतर्गत चारों डिविजन क्षेत्रों में केपिसिटर बैंकों की स्थापना की गई हैं। सभी जगह किसानों से फीडबैंक भी लिया गया।

किसानों में छाया हर्ष

आलू की फसल लगाई थी, समय पर सिंचाई हुई, वोल्टेज की समस्या भी नहीं आने से फसल अच्छी हुई। आलू की फसल निकालकर अच्छे रेट पर बेच दी हैं, अभी प्याज लगाए हैं, जो दो से तीन माह में आ जाएंगे।

- भरत लाल शर्मा, कृषक महू ग्रामीण क्षेत्र

गेंहू और चने की फसल लगाई हैं, वोल्टेज ठीक मिल रही है। बिजली बार बार बंद होने से भी मुक्ति मिल गई हैं, ऐसे में मोटर का पानी नहीं टूट रहा हैं। सिंचाई समय पर होने से फसल के दाने अच्छे भरा रहे हैं।

- रामलाल पाटीदार, किसान नेमावर रोड इंदौर

मटर, लहसून, प्याज, गेंहू, चने, टमाटर इत्यादि काफी मात्रा में किसानों ने लगाए हैं। सभी की सिचांई समय पर हो रही है। बिजली प्रदाय संबंधित कोई शिकायत की स्थिति अभी तक नहीं आई है।

- महेंद्र पटेल, किसान देपालपुर

47 वरिष्ठ पेंशनर्स का किया सम्मान

इंदौर। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसिएशन मध्य प्रदेश भोपाल की तहसील चंद्रशेखर आजाद नगर (भाबरा जिला अलीराजपुर) द्वारा स्थानीय बैंक के सहयोग से पेंशनर-डे एवं नववर्ष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 75 वर्ष से अधिक के 11 एवं 36 नवीन सदस्यता ग्रहण करने कुल 47 सदस्यों को सम्मानित किया गया।

एसोसिएशन के प्रांतीय मीडिया प्रभारी भगवतीप्रसाद पण्डित ने बताया कि स्थानीय मंडी प्रांगण में हुए इस गरिमामय कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रांताध्यक्ष एड. राजकुमार दुबे थे। अध्यक्षता भारत सिंह रावत सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश ने की। विशेष अतिथि कार्यकारी प्रांताध्यक्ष राधेश्याम पाटीदार , करणसिंह रावत सेवानिवृत्ति अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवम राजेश जोशी संभागीय अध्यक्ष थे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित एवं मां सरस्वती की आराधना के साथ हुआ। 47 पेंशनर साथियों का सम्मान शॉल, श्रीफल एवं पुष्पमाला प्रदान कर किया गया। समारोह में शब्बीर शेख सेवानिवृत्त पटवारी, नानसिंह तोमर सेवानिवृत्त महिला एवम बाल विकास विभाग, थानसिंह बघेल शाखा प्रबंधक, आर.आर. बैंक अलीराजपुर, सुभाष वर्मा संभागीय उपाध्यक्ष, जिला अध्यक्ष सर्वश्री प्रतापसिंह सिसोदिया अलीराजपुर, श्रीमती शांति वसुनिया झाबुआ, नरेंद्र सिंह ठाकुर इंदौर, राजेंद्र तिवारी खरगोन, विजय कुमार जैन बड़वानी विशेष रूप से उपस्थित थे। मंचासीन अतिथियों का शॉल, श्रीफल, प्रतीक- चिन्ह एवम पुष्पमाला द्वारा स्वागत कर सम्मान तहसील अध्यक्ष मनोहर लाल गौ?, तहसील उपाध्यक्ष नगर सिंह जमरा, प्रकाश नारायण नागर, तहसील सचिव द्वय मूलसिंह हटीला एवं गंभीर सिंह अलावा, सह-कोषाध्यक्ष रामेश्वर साधव, मोहम्मद सादिक खान, गोपाल सिंह रावत ,सुशीला राठौर, प्रकाशचंद्र नागर ,सरदार सिंह मेड़ा आदि ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एडवोकेट राजकुमार दुबे ने संगठन द्वारा धारा 49(6) को हटाए जाने संबंधी लगाई गई याचिका की तथ्यात्मक विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के सचिव जबलपुर उच्च न्यायालय में उपस्थित हो चुके हैं एवं धारा 49(6) को विलोपित करने पर शीघ्र ही निर्णय लिया जा सकेगा। यह संगठन की बहुत ब?ी उपलब्धि होगी। सर्वश्री राधेश्याम पाटीदार, भारत सिंह रावत, राजेश जोशी, विजय जैन ने भी अपने विचार रखे। संगठन की एकजुटता और सक्रिय सहभागिता के संकल्प को दोहराया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन अपनी चिर -परिचित शैली में जयेंद्र बैरागी, प्रान्तीय संगठन मंत्री ने किया तथा आभार तहसील अध्यक्ष मनोहर सिंह गौड़ ने माना।

सारांश पुस्तक समीक्षा प्रतियोगिता का आयोजन

इंदौर। श्री वैष्णव इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंस में सारांश पुस्तक समीक्षा प्रतियोगिता का आयोजन ज्ञान और पठन संस्कृति के विकास के लिए श्री वैष्णव इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंस में सारांश पुस्तक समीक्षा प्रतियोगिता का आयोजन पुस्तकें पढ़ने की आदत न केवल ज्ञान का स्रोत हैं, बल्कि यह मानसिक शांति और व्यक्तित्व विकास का भी माध्यम हैं।

ये उद्गार श्री वैष्णव इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंस द्वारा एमबीए विद्यार्थियों के लिए आयोजित सारांश पुस्तक समीक्षा प्रतियोगिता प्रसिद्ध लेखिका डॉ. दीपा वंजानी ने व्यक्त किये। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को अपने दैनिक जीवन में पुस्तकें पढ़ने के लिए भी प्रेरित किया। निर्णायक मंडल में हेमसिंह पाटले, लेखक एवं प्रेरक वक्ता भी शामिल थे, जिन्होंने अपने उदबोधन में विद्यार्थियों को यह बताया कि पुस्तक पढ़ने की आदत कैसे जीवन को सकारात्मक दिशा में ले जाती है। प्रतियोगिता के अंत में विजेताओं को पुरस्कार एवं सर्टिफिकेट वितरित किये गए। मंच का संचालन एमबीए की छात्रा हर्षि मूंदड़ा और छात्र रोहन गौर ने किया। आभार सुश्री प्रणिता जैन ने माना। संस्थान की कार्यवाहक निदेशक डॉ. क्षमा पैठणकर एवं मैनेजमेंट विभागाध्यक्ष (पीजी) डॉ. मंदीप गिल ने इस आयोजन की सराहना की।प्रतियोगिता में प्राध्यापक एवं प्रतिभागी उपस्थित थे। प्रतियोगिता का संयोजन डॉ क्षमा गंजीवाले ने किया।

महापौर, कमिश्नर के सामने अवैध वसूली का आरोप

महिला ने कर्मचारी पर उठाई चप्पल, त्रिवेणी मेले में हंगामा; प्रभारी अधिकारी सस्पेंड

रतलाम।

त्रिवेणी मेले में हंगामे का एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में एक महिला नगर निगम कर्मचारी पर चप्पल उठाकर मारते हुए दिख रही है। यह पूरा घटनाक्रम नगर निगम महापौर प्रहलाद पटेल और कमिश्नर हिमांशु भट्ट के सामने हुआ।

दरअसल, यह पूरा मामला मेले में दुकानों के आवंटन से जुड़ा है। कुछ दुकानदारों ने सोमवार शाम को नगर निगम पहुंच कमिश्नर को शिकायत की थी। उन्होंने बताया था कि मेले में दुकानों के आवंटन पर रुपए ले लिए, लेकिन रसीद नहीं दी जा रही है।

आरोप था कि, रसीद देने के लिए अवैध रूप से रुपयों की मांग की जा रही है। तब कमिश्नर के साथ महापौर और अन्य अधिकारी मेला परिसर पहुंचे। इनके सामने दुकानदारों का आक्रोश फूट पड़ा।

एक महिला ने नगर निगम के कर्मचारी विनय कल्याणे पर अवैध वसूली और अशोभनीय मांग का आरोप लगाया। महिला ने महापौर व कमिश्नर के सामने ही चप्पल उठाकर कर्मचारी को मारने की कोशिश की। तभी वहां मौजूद पुलिसकर्मियों व अन्य लोगों ने महिला को रोका। मेले में दुकानें लगाने वाले व अन्य दुकानदारों ने भी नगर निगम के कर्मचारियों पर रुपए लेकर रसीद देने के नाम पर अवैध रुपयों की मांग का आरोप लगाया।

चप्पल उठाते मारने की कोशिश करते व हंगामे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। हंगामे

के दौरान पार्षद परमानंद योगी, अक्षय संघवी आदि मौजूद रहे।

10 दिवसीय था मेला

मेला 21 दिसंबर से 31 दिसंबर तक का था। लेकिन, अभी भी चल रहा है। नगर निगम कर्मचारियों पर यह भी आरोप लगा कि दुकान आवंटन के नाम पर 3 से 4 हजार रुपए लिए है। लेकिन रसीद नहीं दी है। रसीद देने के नाम पर 10 से 15 हजार रुपए अतिरिक्त मांगे जा रहे है। यह भी सामने आया कि मेले में करीब 600 दुकान लगी है। लेकिन, नगर निगम के रिकॉर्ड में 320 दुकान ही है।

संबंधित अधिकारी सस्पेंड

हंगामा व कथित रूप से अवैध वसूली के आरोप के बाद कमिश्नर हिमांशु भट्ट ने सोमवार देर रात में ही नगर निगम के राजस्व निरीक्षक प्रभारी अधिकारी कैलाशचंद्र कर्मा को सस्पेंड कर दिया। कमिश्नर ने सस्पेंड ऑर्डर में लिखा- मेले में कैलाशचंद्र कर्मा, प्रभारी अधिकारी (राजस्व निरीक्षक), राजस्व विभाग द्वारा दुकानों का आवंटन नियमानुसार किया जाना था। उन्होंने बिना स्वीकृति के अवकाश लिया और मुख्यालय पर अनुपस्थित पाए गए।

कर्मा का उक्त कृत्य घोर अनुशासनहीनता प्रकट करता है। इनके द्वारा कार्य में बरती गई लापरवाही के कारण नगर निगम की छवि धूमिल हुई है। कर्मा का यह कृत्य मध्यप्रदेश सिविल सेवा नियम-1966 के विरुद्ध होने से इन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है।

कमिश्नर ने कही जांच की बात

इधर, जिस कर्मचारी पर रुपए मांगने का आरोप लगा है उसके खिलाफ भी जांच की बात कही जा रही है। इस पूरे घटनाक्रम में नगर निगम के राजस्व विभाग के जिम्मेदारों व मेला संचालन समिति की अनदेखी सामने आ रही है। कमिश्नर ने जांच की बात कही है।

पुलिस द्वारा कांबिंग गश्त कर, गुंडे बदमाशों व असमाजिक तत्वों के विरुद्ध की प्रभावी कार्यवाही

रतलाम।

जिले में अपराध व अपराधियों पर नियंत्रण हेतु पुलिस महानिदेशक पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशों के अनुक्रम में, पुलिस अधीक्षक अमित कुमार की अगुवाई में जिले के सभी अनुभागों में सीएसपी/एसडीओपी के नेतृत्व में, 6-7 जनवरी की दरमियानी रात से सुबह तक जिले के सभी अनुभागों में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश खाखा के मार्गदर्शन में सीएसपी सत्येंद्र घनघोरिया, सीएसपी जावरा दुर्गेश आर्मो, एसडीओपी जावरा शक्ति सिंह चौहान, एसडीओपी किशोर पाटनवाला, एसडीओपी सैलाना सुश्री नीलम बघेल, एसडीओपी आलोट श्रीमती शाबेरा अंसारी के नेतृत्व में संबंधित थाना प्रभारी एवं थाने के पुलिसकर्मियों की

टीम बनाकर गुंडे बदमाशों, वारॉटियों, असामाजिक तत्व पर निगरानी एवं धरपकड़ के लिए कॉम्बिंग गश्त की गई।

इस दौरान संबंधित सीएसपी/एसडीओपी द्वारा बल की ब्रीफिंग कर कॉम्बिंग गस्त हेतु रवाना किया गया। जिसके अंतर्गत विभिन्न प्रकरणों में वांछित लंबे समय से फरार- 24 स्थाई वारॉटियों, 88-गिरफ्तारी वारंट तामील करवाए गए।

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार द्वारा रात्रि में कांबिंग गश्त का निरीक्षण किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक माणकचौक थाने पहुंचकर थाना एवं हवालात का निरीक्षण किया गया। गश्त चेकिंग के दौरान सभी को प्रभावी गश्त हेतु दिशा निर्देश दिए गए। पुलिस द्वारा गुंडे/बदमाशों एवं असामाजिक तत्वों के विरुद्ध इस प्रकार की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में उद्योगों का तीव्र गति से विकास हो रहा है : मंत्री श्री काश्यप

रतलाम। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री चेतन्य कुमार काश्यप ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में उद्योगों का तीव्र गति से विकास किया जा रहा है, इसी श्रृंखला में संभागीय इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित किये जा रहे हैं, जिसके अच्छे परिणाम आ रहे हैं। मंत्री श्री काश्यप इंदौर में लघु उद्योग भारती की कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में मंत्री श्री काश्यप द्वारा मालवा प्रांत के 15 जिलों से आए उद्यमियों के साथ संवाद किया एवं विभाग की योजनाओं की जानकारी प्रदान की। उन्होंने उद्यमियों के विभिन्न विषयों का समाधान भी किया गया। मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि लघु उद्योग भारती उद्यमिता के क्षेत्र में अच्छा कार्य कर रही है। हमें विश्वास है कि सरकार और संस्था मिलकर आगे और भी अच्छे कार्य करेंगे। अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री प्रकाश चंद, उपाध्यक्ष श्री ताराचंद गोयल, प्रदेश अध्यक्ष राजेश मिश्रा, प्रदेश महामंत्री अरुण सोनी सहित बड़ी संख्या में उद्यमी और मालवा के विभिन्न जिलों से 200 से अधिक उद्यमी उपस्थिति रहे।

आगामी गणतंत्र दिवस आयोजन के लिए कलेक्टर ने बैठक में अधिकारियों को दायित्व सौंपे

रतलाम। आगामी 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम तैयारी के लिए सोमवार को बैठक आयोजित हुई।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित उक्त बैठक में कलेक्टर श्री राजेश बाथम ने विभिन्न अधिकारियों को दायित्व सौंप कर समय सीमा में कार्य संपन्न करने के निर्देश दिए। अपर कलेक्टर डॉ. शालिनी श्रीवास्तव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री राकेश खाखा सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में बताया गया कि जिला मुख्यालय पर गणतंत्र दिवस का मुख्य कार्यक्रम पोलोग्राउंड नेहरू स्टेडियम पर आयोजित होगा। इस अवसर पर लोकतंत्र सेनानियों को उनके निवास पर जाकर सम्मानित किया जाएगा। इसके लिए अलग-अलग अधिकारियों को दायित्व सौंपा जाएगा।

कलेक्टर ने परेड रिहर्सल, विद्युत सुरक्षा, साफ सफाई आदि के लिए अधिकारियों को दिशा निर्देशित किया। गणतंत्र दिवस पर विभिन्न विभागों द्वारा अपनी विभागीय योजनाओं, कार्यक्रमों पर आधारित झांकियां प्रदर्शित की जाएगी। इस संबंध में कलेक्टर द्वारा सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि झांकियों की थीम का पूर्व से अनुमोदन प्राप्त करें।

कलेक्टर द्वारा गणतंत्र दिवस मुख्य समारोह में आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों के संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि सांस्कृतिक आयोजन गरिमामय रूप से हो, गणतंत्र दिवस के अवसर पर कार्यालय में ध्वजारोहण के संबंध में भी कलेक्टर द्वारा आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

शहर को स्वच्छ व सुन्दर बनाने हेतु महापौर की अनुकरणीय पहल

प्रतिबंधित पॉलीथीन निर्माण की 4 फेक्ट्री सील

रतलाम।

प्रतिबंधित पॉलीथीन के उपयोग एवं निर्माण पर पूर्णत: प्रतिबंध लगाये जाने हेतु नगर निगम व जिला प्रशासन के संयुक्त दल ने कार्यवाही करते हुए प्रतिबंधित पॉलीथीन निर्माण की 4 फेक्ट्रीयों को सील किया।

कचरा एवं गंदगी करने पर जुर्माना

महापौर प्रहलाद पटेल ने नगर निगम व जिला प्रशासन के संयुक्त दल के साथ मेहता प्लॉस्टिक दिलीप नगर में 2 फेक्ट्री, आतुर माहेश्वरी करमदी रोड, गुरूकृपा पैकेजिंग सालाखेड़ी रोड का अवलोकन किया अवलोकन के दौरान निर्धारित मापदण्ड से कम मोटाई की पॉलीथीन निर्माण किये जाने पर फेक्ट्रीयों को सील किया गया।

महापौर प्रहलाद पटेल ने बताया कि रतलाम नगर को पूर्णत= कचरा मुक्त एवं स्वच्छ बनाने हेतु मेरे द्वारा निरीक्षण किया जा रहा है जिसके तहत पाया गया कि नाले-नालियों में अधिकाधिक की संख्या में पॉलीथीन होने से वे चॉक हो रही है तथा कचरा एवं गंदगी फैल रही है साथ ही पॉलीथीन में बची हुई खाद्य सामग्री फेंकने से गौवंश इन्हे खा लेते है और मृत्यु के ग्रास में चले जाते है। पॉलीथीन के कारण हमारी धरती मॉ प्रदूषित होती जा रही है, धरती मॉ को बचाने के लिए पॉलीथीन का निर्माण व उपयोग बंद करना होगा। शासन द्वारा 120 माईक्रॉन से कम मोटाई की पॉलीथीन का निर्माण व उपयोग पूर्णत= प्रतिबंधित है।

उक्त कार्यवाही के दौरान एडीएम शालिनी श्रीवास्तव, एसडीएम अनिल भाना, तहसीलदार ऋषभ ठाकुर, स्वास्थ्य अधिकारी ए.पी. सिंह, झोन प्रभारी तरूण राठौड़, आशीष चौहान के अलावा कपील चौबे, तेजवीर चौधरी आदि उपस्थित थे। इसके अलावा भगवा की कुई क्षेत्र में कचरा एवं गंदगी करने पर संयक मजावदिया पर 250 रूपये का जुर्माना किया गया।

जनसुनवाई में प्राप्त होने वाली शिकायतों का सभी अधिकारी समय सीमा में निराकरण करें :कलेक्टर

कलेक्टर ने सुवासरा तहसील कार्यालय में जनसुनवाई कर आवेदकों की समस्याएं सुनी

सुवासरा। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग ने सुवासरा तहसील कार्यालय में जिला स्तरीय जनसुनवाई आयोजित कर आवेदकों की समस्यायों को सुना तथा मौके पर निराकरण किया। जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी अधिकारी जनसुनवाई में प्राप्त होने वाली शिकायतो का समय सीमा में निराकरण करें। जनसुनवाई के दौरान 144 आवेदन प्राप्त हुए। जिनका समय सीमा निराकरण करने का निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी ब्लॉक स्तर के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जनसुनवाई के साथ-साथ सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त होने वाली शिकायतों के निराकरण के लिए भी शिविर लगाए तथा प्रत्येक ग्राम पंचायत और वॉर्ड में जनकल्याण अभियान के अंतर्गत लगातार शिविर लगाए तथा पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ प्रदान करें। ग्राम पंचायत में सचिव एवं सहायक सचिव मुख्यालय पर रहे तथा किसानों के आधार लिंक करने, फॉर्मर आईडी बनाने, सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का समाधान करें। जनसुनवाई के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन, सीतामऊ एसडीएम, सभी जिलाधिकारी, ब्लॉक स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

नप अध्यक्ष ने समस्याओं से अवगत कराया

सुवासरा नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सरिता डॉक्टर बलराम परिहार अपने पार्षदों के साथ जिला कलेक्टर अदिति गर्ग से मुलाकात कर सुवासरा नगर पंचायत में विकास के लिए आने वाली समस्याओं के बारे में अवगत कराया जिसमें प्रमुख समस्या तिंचिंग ग्राउंड की भूमि एवं गायत्री मंदिर के समीप तालाब सौंदार्यकरण पर आ रही बाधा के बारे में एवं मांस की दुकानों को नगर से बाहर ले जाने के लिए जमीन आवंटन की मांग की और अनेक पार्षदों ने भी अपनी-अपनी समस्याएं बताई जिसमें रेल रेलवे नाले की सफाई की भी एक प्रमुख समस्या थी जिस पर कलेक्टर अदिति गर्ग ने नगर पंचायत अध्यक्ष एवं पार्षदों को कहा कि शासन की महती योजना आयुष्मान कार्ड एवं अन्य कोई योजनाओं का लाभ शत प्रतिशत लाभ जनता को दिलाओ।

आयुष्मान कार्ड पर जोर देते हुए कहा कि आयुष्मान कार्ड में आने वाली समस्या के बारे में सुवासरा में दो दिवसीय सिविर लगाया जा रहा हे जिसमें आधार कार्ड समग्र आईडी आयुष्मान कार्ड का लाभ मिलेगा जिसका समाधान तत्काल हो और शत प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश भी दिए एवं सी.एम.ओ को भी निर्देशित कराया इसमें सहयोग करें वन टीचिंग ग्राउंड की समस्या के बारे में गौशाला से लगी जमीन पर सरपंच द्वारा विवाद पर तहसीलदार मोहित सिनम को भी कहा कि टीचिंग ग्राउंड पर आने वाली समस्या का नधान करे एवं किशोरपुरा के सरपंच मिट्ठू सिंह को भी कहा कि शासन की योजनाओं में अडंगा ना अटकाए इस अवसर पर नगर पंचायत के समस्त पार्षद सी.एम.ओ इंजीनियर यश निगम सहित अन्य जन प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सीसीटीवी की समस्या जनसुनवाई में पहुंची

सुवासरा नगर में सीसीटीवी कैमरे की समस्या पहुंची जन जनसुनवाई में नगर में विगत दिनों लगातार हो रही चोरिया को लेकर जहां व्यापारियों में असंतोष था और हाल ही में एक ज्वेलर्स की दुकान में ढाई लाख से अधिक का सोना बड़ी सफाई से हाथ साफ करने के मामले में भी व्यापारियों में आक्रोश था जिसको लेकर सुवासरा थाना परिसर में आज समस्त सराफा व्यापारियों व व्यापारियों की एक बैठक थाना परिसर पर बुलाई गई थी किंतु आज जनसुनवाई में जिला कलेक्टर अदिति गर्ग के आने की वजह से थाना प्रभारी श्री कमलेश प्रजापति ने भी समस्त व्यापारियों के साथ जनसुनवाई में पहुंच गए और कहां की नगर में सार्वजनिक स्थलो पर नगर परिषद कैमरे लगाए जिसकी मांग कलेक्टर से करने गए थे वहीं व्यापारियों ने भी जनसुनवाई में एक आवेदन दे दिया जिसमें पुलिस प्रशासन के खिलाफ ही कहा गया कि अगर 8 दिन में चोरी का पर्दाफास नहीं हुआ तो नगर बंद किया जाएगा । कलेक्टर ने निर्देश दिए नगर परिषद कैमरे लगाए कुछ सहयोग व्यापारियों से लिया जाए और कुछ पुलिस प्रशासन भी करें सी.एम.ओ को भी निर्देशित किया की जनहित के काम में ढिले ना करें और टेंडर प्रक्रिया को छोड़ सरल उपाय अपना कर सीसीटीवी कैमरे लगाने का प्रयास करें।

पुलिस ने एल्युमीनियम तार चोर पकड़े, दो आरोपी गिरफ्तार

सीतामऊ (कांजी भाई)। पुलिस ने ऐल्युमीनियम तार चोर गिरोह का पर्दाफाश कर 02 आरोपीयों को गिरफ्तार कर लिया हैं। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से ऐल्युमीनियम के 5 क्विंटल तार जप्त किए हैं।

अपराध मे प्रयुक्त ओमनी कार भी आरोपी राहुल पिता शंभुलाल खारोल निवासी कमामपुरा से जप्त कर ली हैं। थाना प्रभारी सीतामऊ निरीक्षक मोहन मालवीय के द्वारा गठित टीम को सम्पत्ति संबंधी अपराधीयों पर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया इसी क्रम में सउनि अजयसिंह बघेल एवं पुलिस बल द्वारा सुरखेड़ा मगरे से चोरी हुए 05 क्विंटल ऐल्युमीनियम के तार आरोपीगण लक्ष्मीनारायण पिता भेरूलाल बलाई निवासी कमालपुरा थाना अफजलपुर व राहुल पिता शंभुलाल खारोल निवासी कमालपुरा से जप्त कर व आरोपी राहुल के कब्जे से अपराध मे प्रयुक्त ओमनी वेन जप्त कर आरोपीयों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस द्वारा जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि फरियादी गणपत पिता गोवर्धनलाल जाट निवासी नाटाराम ने सुरखेड़ा मगरे से 33 केव्ही इलेक्ट्रीक लाईन के कुल 05 क्विंटल ऐल्युमीनियम के तार अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ले जाने संबंधी सूचना थाना सीतामऊ पर दी थी जिसकी रिपोर्ट पर से थाना सीतामऊ पर अपराध क्रमांक 09/25 धारा 303(2) बी एन एस का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया व विवेचना के दौरान विश्वसनीय मुखबिर की सूचना पर लक्ष्मीनारायण पिता भेरूलाल बलाई निवासी कमालपुरा थाना अफजलपुर, राहुल पिता शंभुलाल खारोल निवासी कमालपुरा पर संदेह होने से पुछताछ की जाकर दोनो आरोपीयो को गिरफ्तार कर अपराध मे चोरी गया मशरुका 05 क्विंटल ऐल्युमीनियम के तार व अपराध मे प्रयुक्त ओमनी वेन को जप्त कर आरोपीयों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। गिरफ्तार आरोपी - लक्ष्मीनारायण पिता भेरूलाल बलाई निवासी कमालपुरा थाना अफजलपुर, राहुल पिता शंभुलाल खारोल निवासी कमालपुरा थाना अफजलपुर जप्त माल - 05 क्विंटल ऐल्युमीनियम के तार किमती 3 लाख रुपये, एक ओमनी वेन किमती 60000 रुपये। सराहनीय कार्य - उक्त सराहनीय कार्य मे निरीक्षक मोहन मालवीय, सउनि अजय सिंह बघेल, प्रआर वीरेन्द्र पुरोहित, प्रआर शम्भुलाल यादव का विशेष योगदान रहा।

क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला बेल्लारी टीम ने जीता

मॉर्निंग क्रिकेट क्लब के तत्वाधान में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला बेलारी की टीम ने जीता शाहिद 11 सोनगिरी की टीम ने फाइनल मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 16 ओवर में 174 रन बनाए गए वही जवाब में बेलारी की टीम ने मुकाबले को 15 ओवर में ही जीत हासिल कर ली। मैच में मेन ऑफ द मैच हिमांशु को दिया गया जिन्होंने 15 बाल पे 50 रन बनाए वही मेन ऑफ द सीरीज का खिताब बेलारी के ऑलराउंडर अल्फेज को दिया गया। इस क्रिकेट फाइनल के मैच में मुख्य अतिथि विधायक विपिन जैन, जनपद अध्यक्ष बसंत शर्मा दलौदा के नवनिर्वाचित सरपंच प्रतिनिधि दिलिप चंदेल, अनिल भंडारी,अजय रातडिया, गज्जू भंडारी, रतनलाल गूगर, रौनक भटेवरा रहे हैं। मैच के अंपायर श्याम गुर्जर, अभिषेक रहे। वही स्कोरिंग का जिम्मा विशाल व्यास व कमेंट्री का जिम्मा आदिल ने संभाला, कार्यक्रम का संचालन श्याम गूगर द्वारा किया गया एवं कार्यक्रम का आभार विश्वप्रताप सिंह भाटी(विकी) द्वारा किया गया।

म.प्र.शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई

भानपुरा। मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान जन कल्याण पर्व अंतर्गत ग्राम पंचायत ढाबला माधोसिंह में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मध्य प्रदेश शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई, आयोजित शिविर में स्वास्थ्य विभाग महिला बाल विकास विभाग राजस्व विभाग के अधिकारी एवं ग्राम पंचायत के कर्मचारी भी उपस्थित थे। उपस्थित अधिकारियों ने अपने-अपने स्तर के प्रकरणों को संज्ञान में लेकर हितग्राहियों को वृहद जानकारी देकर लाभान्वित किया गया। कार्यक्रम अंतर्गत मुख्य अतिथि के रूप में राधेश्याम बंजारा जनपद सदस्य, राजकुमार बैरागी बूथ अध्यक्ष, जगदीश धाकड़ समाजसेवी मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था अर्पण सेवा समिति ढाबला माधोसिंह के कार्यक्रम समन्वयक राजेश बैरागी उपस्थित थे। शिविर के माध्यम से 180 हितग्राहियों का निराकरण कराया गया, शिविर में बापूलाल धाकड़, महेंद्र सिंह बंजारा, देवीलाल धाकड़ सौभाग्य बगावत, विनोद पांचावत आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम समाप्ति पर आभार ग्राम पंचायत सरपंच प्रकाश बंजारा द्वारा माना गया।

अण्डरब्रिज मे पानी व किचड़ होने से वाहन चालक व राहगीर परेशान

अण्डर ब्रिज से आमजन व राहगीर परेशान होने को मजबूर हो रहे है साबाखेडा जाने का पंहुच मार्ग है। मंदसौर व पिपलिया मण्डी मैन रोड से जाने का सडक मार्ग है। जो एन एच 79 से साबाखेडा से होकर संजीत मुंदडी सडक मार्ग पर मिलता है। जिसमे पानी किचड भरा रहने से वाहन चालक व राहगीर परेशान है।

गावस्कर: टीम के पतन की ईमानदारी से जांच करने की वकालत

रोहित और कोहली का भविष्य चयनकर्ताओं पर निर्भर

सिडनी (एजेंसी)।

विराट कोहली और रोहित शर्मा का टेस्ट भविष्य अब चयनकर्ताओं के हाथों में है, भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने पिछले छह महीनों में टीम के पतन की ईमानदारी से जांच करने की वकालत करते हुए कहा। गावस्कर ने भारत की हालिया पराजय, जिसमें न्यूजीलैंड द्वारा घरेलू मैदान पर वाइटवॉश, आगे का रास्ता और अजीत अगरकर की अगुवाई वाली राष्ट्रीय चयन समिति की जिम्मेदारी शामिल है, के बारे में बात की। संघर्षरत सितारों रोहित और कोहली के भविष्य को लेकर चल रही बहस के बारे में पूछे जाने पर, गावस्कर ने कहा, वे कितने समय तक खेलते हैं, यह वास्तव में चयनकर्ताओं पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा, अब जब भारत डब्ल्यूटीसी (विश्व टेस्ट चैंपियनशिप) फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में विफल रहा है, तो यह उचित होगा कि उन कारणों पर विचार किया जाए जो (क्यों) ऐसा हुआ। डब्ल्यूटीसी की शुरुआत के बाद से यह पहली बार है जब भारत रविवार को समाप्त हुई बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में ऑस्ट्रेलिया से 1-3 से हारने के बाद फाइनल में जगह नहीं बना सका। हार का मुख्य कारण बल्लेबाजी इकाई का खराब प्रदर्शन रहा, जिसमें रोहित और कोहली सबसे कमजोर कड़ी साबित हुए। गावस्कर ने टीम के बल्लेबाजों की बार-बार विफलताओं की ओर इशारा करते हुए कहा कि वे सीरीज के दौरान नौ में से छह बार 200 का आंकड़ा पार करने में विफल रहे। पूर्व कप्तान ने कहा, यह स्पष्ट है कि पिछले छह महीनों में बल्लेबाजी विफल रही और यही मुख्य कारण था कि हम उन मैचों में हार गए, जिन्हें हमें जीतना चाहिए था। गावस्कर ने कहा, इसलिए, अगर इंग्लैंड में जून के मध्य में शुरू होने वाले ह्वाइट के नए चक्र के लिए बदलाव की आवश्यकता है, तो उम्मीद है कि चयनकर्ता इस बात को ध्यान में रखेंगे कि 2027 में फाइनल के लिए कौन-कौन से खिलाड़ी मौजूद रहेंगे और उसी के अनुसार चयन करेंगे।

अगली पीढ़ी के लिए आगे आने का समय

75 वर्षीय पूर्व भारतीय कप्तान ने

नाम नहीं लिए, लेकिन कहा कि घरेलू सर्किट में कुछ अच्छे खिलाड़ी सामने आ रहे हैं और अब चयनकर्ताओं पर उन्हें उचित मौका देने की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, जब तक उन्हें मौका नहीं दिया जाता, हम कैसे जान पाएंगे कि रणजी ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करेंगे या नहीं? यहीं से अच्छे चयन की बात आती है। गावस्कर ने नीतीश कुमार रेड्डी जैसी प्रतिभा को सामने लाने के लिए चयन समिति की भी सराहना की, जो हाल ही में समाप्त हुए दौरे में भारत के तीन शतकों में से एक थे, अन्य यशस्वी जायसवाल और कोहली थे। उन्होंने खिलाड़ी के बारे में कहा, अजीत अगरकर और उनकी टीम को नीतीश कुमार रेड्डी में क्षमता को देखने और उन्हें टेस्ट टीम में चुनने के लिए बधाई, इस खिलाड़ी को मुख्य कोच गौतम गंभीर का भी पूरा समर्थन प्राप्त है। गेंदबाजी के मोर्चे पर, गावस्कर ने कहा कि भारत में पर्याप्त प्रतिभा है, जिन्हें यह सुनिश्चित करने के लिए अपेक्षित अवसर दिए जाने की आवश्यकता है कि जसप्रीत बुमराह जैसे पीढ़ी के स्टार पर अधिक बोझ न पड़े। एक बार फिर, उन्होंने संभावित उम्मीदवारों के नाम लेने से परहेज किया, जो आगे चलकर गेंदबाजी आक्रमण को आकार देंगे। उन्होंने कहा, भारत के पास बहुत से होनहार तेज गेंदबाज हैं जो अवसर की प्रतीक्षा कर रहे हैं। हां, बुमराह पर अधिक बोझ नहीं डाला जाना चाहिए और यदि अन्य आगे बढ़ते हैं तो हमारे पास ऐसा आक्रमण हो सकता है जो किसी भी परिस्थिति में मैच जीत सकता है।

ईमानदार रहें

क्रिकेट में सितारों को ऊँचे स्थान पर रखने की संस्कृति एक अवसर बताई जाने वाली समस्या रही है। लेकिन गावस्कर ने कहा कि यदि कोई प्रदर्शन पर ईमानदारी से नजर डालने में सक्षम है, तो इसके साथ भी जमीन पर बने रहना बहुत मुश्किल नहीं है। उन्होंने बताया, हम हर दिन अपना चेहरा आईने में देखते हैं और चूंकि हम ऐसा करते हैं, इसलिए हम उन बदलावों को नोटिस नहीं कर पाते जो पिछले कुछ सालों में आए हैं। जब हम पहले के दिनों की तस्वीरें या वीडियो देखते हैं, तभी हम बदलावों को नोटिस कर पाते हैं। तभी हम अपने आप को सर्वश्रेष्ठ दिखाने के लिए जरूरी बदलाव करने की कोशिश करते हैं। हालांकि, ऐसा करने के लिए हमें खुद पर फिर से एक लंबी और ईमानदार नजर डालने की जरूरत है।

प्रियंका ने खास तरीके से किया नए साल का स्वागत

नए साल 2025 का स्वागत एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा जोनास ने अपने परिवार के साथ खास तरीके से किया। सोशल मीडिया पर प्रियंका चोपडा ने पति निक जोनास और बेटी मालती मैरी के साथ कुछ खूबसूरत तस्वीरें साझा की । प्रियंका ने इंस्टाग्राम पर अपनी और अपने परिवार की कई तस्वीरें शेयर की, जिसमें वे समुद्र तट पर, जेट स्की पर और अपनी बेटी के साथ खूबसूरत पलों का आनंद लेती दिख रही हैं। प्रियंका ने अपनी तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, जिंदगी को खुलकर जीना ही 2025 के लिए मेरा लक्ष्य है। खुशी, आनंद और शांति हो। हम सभी को इस नए साल में बहुत कुछ मिले। अपने परिवार के लिए बहुत आभारी हूं। 2025 की शुभकामनाएं। ऐसी शानदार यादों के लिए शुक्रिया। प्रियंका ने एक और पोस्ट के जरिए यह भी साझा किया कि वह उन लोगों से कैसे निपटती हैं जो नकारात्मक ऊर्जा फैलाते हैं। उन्होंने वीडियो शेयर किया, जिसमें एक लड़की स्प्रे का इस्तेमाल करती हुई नजर आ रही है। वीडियो में लिखा था, मैं उन लोगों को बधाई देती हूं, जो बुरी ऊर्जा से भरे हैं। प्रियंका के करियर के बारे में बात करें तो उनके पास कई रोमांचक प्रोजेक्ट्स हैं। एक्शन कॉमेडी फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट में प्रियंका, इदरीस एल्बा और जॉन सीना के साथ नजर आएंगी। इसके अलावा, वह द ब्लफ नामक ड्रामा फिल्म में 19वीं सदी के कैरेबियन समुद्री डाकू की भूमिका निभाती दिखेंगी।

कल्पना पटोवारी का संगीतमय वृतचित्र गंगास्नान रिलीज

जानीमानी गायिका कल्पना पटोवारी का बहुप्रतीक्षित संगीतमय वृतचित्र गंगास्नान रिलीज हो गया है। गंगास्नान, कल्पना पटवारी के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल से रिलीज किया गया है। यह वृतचित्र भिखारी ठाकुर की कालजयी रचना गंगास्नान पर आधारित है, जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई शैली और आधुनिक संगीत के साथ प्रस्तुत किया गया है। इस गीत को लेकर कल्पना ने कहा कि गंगास्नान केवल एक गाना नहीं, बल्कि मां गंगा और सनातन संस्कृति को समर्पित एक संगीतमय श्रद्धांजलि है। यह वृतचित्र न केवल संगीत प्रेमियों, बल्कि गंगा के प्रति श्रद्धा रखने वाले हर व्यक्ति को जोड़ेगा। कल्पना की आवाज में गंगास्नान अब तक का सबसे अनूठा भोजपुरी संगीत है, जिसमें भारतीय जैज़ पियानोवादक लुइज बैंक्स, गिटारवादक कुश उपाध्याय, ड्रमर गीनो बैंक्स और सारंगी वादक दिलशाद खान जैसे प्रसिद्ध संगीतकार शामिल हैं। इस गाने में भारतीय जैज़ और ब्लूज़ को पश्चिमी संगीत के साथ मिलाकर एक अद्भुत रचना तैयार की गई है। इस प्रोजेक्ट में स्पेन और डेनमार्क के संगीतकारों ने भी योगदान दिया है। गाने के विभिन्न भागों को लुइज बैंक्स की जैज़ धुनों, गीनो बैंक्स के ड्रम सोलो और पश्चिमी ब्लूज़ पॉप गायन के साथ मिलाकर तैयार किया गया है।इस गाने को प्रसिद्ध लोक कलाकार स्वर्गीय रामाज्ञा राम और अरुणव डेका के सहयोग से लिखा गया है। गंगास्नान का निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता समुज्जल कश्यप ने किया है। इस वृतचित्र की शूटिंग काशी और प्रयागराज जैसे सांस्कृतिक केंद्रों में की गई है, जो गंगा नदी की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्ता को खूबसूरती से दर्शाता है।

ब्रह्मपुत्र पर बन रहे सबसे बड़े बांध का भारत के खिलाफ गलत इस्तेमाल कर सकता है चीन

पूर्वोत्तर भारत में बांध के जरिए सूखा या बाढ़ लाई जा सकती है

नई दिल्ली । चीन ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट शुरू करने को तैयार है। अब इस बांध को लेकर जानकारों का कहना है कि इससे भारत को बाढ़ और सूखा सहित कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, चीन का कहना है कि इससे भारत और बांग्लादेश पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं होगा।

नदी को तिब्बत में यारलुंग जांगपो भी कहा जाता है। पिछले महीने, चीन ने तिब्बत में भारतीय सीमा के करीब ब्रह्मपुत्र नदी पर यारलुंग जांगबो नामक बांध बनाने की योजना को मंजूरी दी थी। योजना के अनुसार, विशाल बांध हिमालय की पहुंच में एक विशाल घाटी पर बनाया जाएगा, जहां से ब्रह्मपुत्र अरुणाचल प्रदेश और फिर बांग्लादेश में जाती है।

अब इस विशाल बंध को लेकर एक जानकार ने बताया कि इसका भारत पर बहुत गंभीर असर होगा। उन्होंने कहा, साल 2020 में जब इस बांध का विचार आया, तब मैंने एक आर्टिकल लिखा था, लेकिन अब बांध को बनने की आधिकारिक मंजूरी मिल गई है, जिसका मतलब है कि निर्माण तेजी से होगा। उन्होंने पूर्वोत्तर भारत का खासतौर से जिक्र कर कहा, मैं कुछ उदाहरण देता हूं। गर्मियों में जब क्षेत्र में पानी का अत्याधिक बहाव होगा, तब पानी स्टोर करने वाला बांध भी अतिरिक्त पानी छोड़ेगा, जिसका मतलब है कि क्षेत्र में बाढ़ आने की आशंका बढ़ेगी। सर्दी में जब मौसम शुष्क होता है, तब बांध क्षेत्र में बह रही किसी भी नदी का पानी स्टोर कर लेगा, जिसका मतलब है कि क्षेत्र में पानी की कमी होगी। इसतरह से किसी भी तरह से पूर्वोत्तर क्षेत्र में भारतीय समुदाय के लिए यह बहुत बड़ा नुकसान है। हम जानते हैं कि हिमालयी क्षेत्र भूकंप गतिविधियों को लेकर काफी संवेदनशील है और यह साबित हो चुका है कि मेगा डैम की वजह से भूकंप की गतिविधियां बढ़ती हैं। उन्होंने कहा, तीसरा असर राजनीतिक तनाव पर हो सकता है, क्योंकि चीन बांध का इस्तेमाल कई तरह से कर सकता है। अगर चीन के भारत के साथ अच्छे संबंध हैं, तब इसका अच्छा उपयोग कर सकता है, लेकिन अगर रिश्तों में उतार-चढ़ाव आता है... और अगर किसी मोड़ पर भारत और चीन के रिश्ते बिगड़ते हैं, तब चीन की सरकार किसी और ढंग से डैम का इस्तेमाल कर सकती है।

भारत जता चुका है चिंता - चीन दवारा बनाए जा रहे प्रस्तावित बांध पर 3 जनवरी को अपनी पहली प्रतिक्रिया में, भारत ने चीन से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि ब्रह्मपुत्र के प्रवाह वाले निचले इलाकों के हितों को ऊपरी इलाकों में होने वाली गतिविधियों से नुकसान न पहुंचे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हम अपने हितों की रक्षा के लिए निगरानी जारी रखने वाले हैं और आवश्यक कदम उठाएंगे। उन्होंने कहा, चीनी पक्ष से आग्रह किया गया है कि ब्रह्मपुत्र के प्रवाह के निचले क्षेत्रों में स्थित देशों के हितों को नदी के प्रवाह के ऊपरी क्षेत्र में गतिविधियों से नुकसान नहीं पहुंचे। भारत की यात्रा पर आए अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार सुलिवन के साथ भारतीय अधिकारियों की वार्ता में भी इस मुद्दे पर चर्चा हुई थी।

ओटावा । कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे के बाद से उनके उत्तराधिकारी को लेकर अटकलों का दौर जारी है। खबरों के अनुसार भारतीय मूल की नेता अनीता आनंद पीएम पद की एक मजबूत दावेदार बनी हुई हैं। बता दें ट्रूडो ने लिबरल पार्टी के नेता पद और प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। हालांकि, वे लिबरल पार्टी के नए नेता चुने जाने तक प्रधानमंत्री पद पर बने रहने वाले है। अनीता आनंद कनाडा की वर्तमान परिवहन और आंतरिक व्यापार मंत्री हैं। अनीता इंदिरा आनंद का जन्म केंटविले, नोवा स्कोटिया में हुआ था। उनके माता-पिता (दोनों अब दिवंगत हो चुके हैं) भारतीय फिजिशियन थे। उनके पिता तमिलनाडु से और उनकी मां पंजाब से थीं। अनीता आनंद की दो बहनें हैं गीता आनंद, टोरंटो में एक वकील हैं, और सोनिया आनंद, मैकमास्टर यूनिवर्सिटी में एक फिजिशियन और शोधकर्ता हैं। आनंद 1985 में ओंटारियो चली गईं। उन्होंने और उनके पति जॉन ने अपने चार बच्चों का पालन-पोषण ओकविले में किया। आनंद ने अपने करियर के दौरान अब तक कई पदों पर काम किया है। वे पहली बार 2019 में ओकविले के लिए संसद सदस्य के रूप में चुनी गई थीं। उन्होंने 2019 से 2021 तक सार्वजनिक सेवा और खरीद मंत्री के रूप में कार्य किया और ट्रेजरी बोर्ड के अध्यक्ष और राष्ट्रीय रक्षा मंत्री के रूप में भी काम किया। सार्वजनिक सेवा और खरीद मंत्री के रूप में, आनंद ने कोविड-19 के दौरान कनाडाई लोगों के लिए वैक्सीन, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण और रैपिड टेस्ट सुरक्षित करने के लिए अनुबंध वार्ता का नेतृत्व किया।

भारत संग कई देशों में तेजी से फैल रहा डीपफेक रोमांस स्कैम

नई दिल्ली। आपने हाल के दिनों में भारत के मेट्रो सिटीज में डेटिंग स्कैम के बारे में जरूर सुना होगा। लेकिन एआई जनरेटिड डीपफेक रोमांस स्कैम एक नई चुनौती बनकर उभरा है। साइबर स्कैम का यह नया वर्जन है। जिसके असर में भारत ही नहीं, बल्कि एशिया के अधिकतर देश आ चुके हैं। अब इसका अगला लेवल पश्चिमी देश हैं। इसका खुलासा बीते दिनों हॉन्ग कॉन्ग की पुलिस ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया। दावा किया कि एशिया में डीपफेक रोमांस स्कैम तेजी से फैल रहा है। जिसमें एआई यानी आर्टिफिशल इंटेलिजेंस की मदद से 46 मिलियन डॉलर से अधिक की रकम वसूलने का अनुमान है।

हॉन्ग कॉन्ग पुलिस ने डीपफेक रोमांस स्कैम के सिंडिकेट से जुड़े 30 लोगों को गिरफ्तार किया। जिसके बारे में पुलिस का कहना है कि इस सिंडिकेट ने ताइवान से लेकर सिंगापुर और भारत जैसे देशों के अनेकों लोगों को टारगेट किया है।

पुलिस ने भारत समेत एशिया के देशों की सुरक्षा एजेंसियों को भी डीपफेक स्कैम के बारे में आगाह किया। दावा किया कि आमतौर पर एक टेक्स्ट मेसेज से डीपफेक रोमांस स्कैम शुरू होता है। जिसमें भेजने वाली एक खूबसूरत महिला दिखती है। वो कहती है कि गलती से मेसेज चला गया। इसके बाद हाय-हेलो से शुरू होकर कुछ ही दिनों में उसकी बातें रोमांस तक जा पहुंचती हैं।

भारत में डीपफेक रोमांस स्कैम एक अलग ही तरह का चैलेंज है। जो टेक्स्ट मेसेज या ऑनलाइन डेटिंग, सोशल मीडिया, और विडियो कॉलिंग प्लैटफॉर्म के जरिए इस्तेमाल की जा रही है। एआई (आर्टिफिशल इंटेलिजेंस) की मदद से डीपफेक रोमांस स्कैम की शुरुआत होती है। नकली या मॉर्फ किए गए विडियो, फोटो और आवाजें तैयार की जाती हैं। स्कैम का पहला और आखिरी मकसद रोमांस की आड़ में पैसों की वसूली होता है। इसके शिकार वे लोग हो रहे हैं जो ऑनलाइन डेटिंग साइट्स या सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं प्रधान संपादक सुनील वर्मा के लिए डीबी कार्प प्रॉ.लि. प्रेस, 44-46/ए, सेक्टर - एफ , इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इन्दौर से मुद्रित तथा 1/4, परदेशीपुरा, इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com